मनोज
कॉमिक्स
मूल्य: 8.00
राम-रहीम
और
सुपर
फाइव
डबल सीक्रेट एजेन्ट 00½
राम-रहीम
VIJAY KADAM

राम-रहीम और सुपर फाइव

डबल सीक्रेट एजेण्ट ००½ राम-रहीम

लेखक : बिमल चटर्जी
चित्रांकन : दिलीप कदम, हरिश्चन्द्र चव्हाण
त्रिशूल कॉमिक्स

एक दिन चीफ मुखर्जी ने अपने दो जांबाज व जियाले राम-रहीम को एक बार फिर एक भयानक मिशन पर भेजने के लिए अपने ऑफिस में बुलाया और उन्हें मिशन के बारे में बताने लगे।

...उस स्टेशन की भयानकता और खतरे को देखते हुए हमारे देश के उच्चाधिकारियों ने उसे कई बार नष्ट करने की कोशिश की...

...लेकिन इस बार इस मिशन पर अकेले तुम दोनों ही नहीं जाओगे, बल्कि मेरे विभाग के पांच लड़ाके और जायेंगे...

...हां, उनका नेतृत्व तुम दोनों के ही हाथों में होगा।

चीफ! क्या हम उनसे मिल सकते हैं?

अभी मिलवाता हूं।

चीफ के द्वारा मेज के नीचे लगे एक बटन को दबाते ही एक व्यक्ति ने भीतर प्रवेश किया।

यस सर!

सुपर फाइव को बुलाओ।

वह व्यक्ति चला गया।

कुछ देर बाद-
गुड नून सर!
गुड नून!
सुपर फाइव! इनसे मिलो। ये हैं हमारे जूनियर विभाग के डबल सीक्रेट एजेण्ट 00½ राम-रहीम!
आहा! इनका नाम तो हमने बहुत सुना है चीफ...
... निःसंदेह आज इनसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है।
इस बार तुम पाँचों को इन्हीं के साथ एक मिशन पर काम करना होगा।
हमें बड़ी खुशी होगी चीफ!

मिशन के बारे में मैं तुम्हें बाद में बताऊंगा, पहले तुम लोगों से राम-रहीम का परिचय करा दूं।
राम-रहीम। ये पांचों मेरे सीनियर विभाग के सबसे ज्यादा चुस्त, बुद्धिमान, शक्तिशाली और खतरनाक एजेण्ट हैं...
...इन पांचों में अपनी-अपनी एक खास विशेषता है, जिसका शायद ही कोई सानी रखता हो। इसीलिए मैं इन पांचों को सुपर फाइव के नाम से पुकारता हूं।
बहुत खूब!
???
पहले इनसे मिलो, इनका नाम है जैकब। इनका निशाना कभी खाली नहीं जाता। अब चाहे वह निशाना चाकू-छुरी का हो या बन्दूक-रिवॉल्वर का।
आपसे मिलकर हमें बड़ी प्रसन्नता हुई।
मुझे भी दोस्तो!

ये हैं टैजा। एक जीप जितने भार को ये आसानी से उठा सकते हैं। इनकी अमानुषिक शक्ति वक्त जरूरत पर तुम लोगों के बहुत काम आयेगी।

इसमें कोई संदेह नहीं।

और ये हैं, जिम्बो। जुडो-कराटे और कुंग-फू मास्टर। इनकी हथेली का एक ही वार किसी की भी गर्दन तोड़ सकता है।

निः संदेह चीफ, आपके सुपर फाइव, सुपर फाइव ही हैं। एक से बढ़कर एक! अब मुझे पूरा विश्वास है कि हम अपने मिशन में सफल होकर ही लौटेंगे।
मुझे तुमसे यही आशा है। आओ, अब बैठकर बातें होंगी।
फिर चीफ ने सुपर फाइव को भी मिशन के बारे में सबकुछ बता दिया।
चूंकि अब तुम सात हो, इसलिए मैं तुम्हें सुपर सेवन नाम से पुकारूंगा और सुपर सेवन ही हमारा कोड मिशन होगा...
...तुम सातों को आज ही रात मिशन पर रवाना होना है। एक प्लेन तुम्हें हमारे देश की जल सीमा तक पहुंचा देगा...
...वहां तुम्हें एक एजेण्ट मिलेगा, जो तुम्हें टापू तक पहुंचने का मार्ग और साधन उपलब्ध करायेगा...
...तुम लोगों को टापू पर पहुंचकर वहां क्या-क्या नष्ट करना है, अब यह ध्यान से सुनो।
...
फिर चीफ विस्तारपूर्वक कोई योजना और महत्त्वपूर्ण बात बताने लगे।

तो ठीक है। अब तुम लोग अपने-अपने घर जाओ और मिशन पर जाने की तैयारी करो। ध्यान रहे, आज रात ठीक आठ बजे जीरो हवाई अड्डे पर मैं तुम्हारा इन्तजार करूंगा।

ओ.के. चीफ।
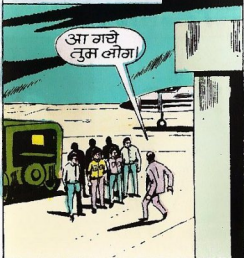
यान के भीतर एक विशेषज्ञ ने सुपर सेवन को उनके कपड़े व हथियार आदि देकर उनकी विशेषताओं के बारे में बता दिया।

उसके बाद-
ओ.के. सुपर सेवन। अब हम चलते हैं। ईश्वर तुम लोगों को सफलता प्रदान करे।

आओ नम्बर नाइन!

चीफ और नम्बर नाइन के उतरने के कुछ देर बाद ही यान सुपर सेवन को लेकर एक ओर उड़ चला।
आप लोग अपनी विशेष पोशाक पहन लीजिए।

लगभग आधे घण्टे पश्चात्-
हम अपनी मंज़िल पर पहुंच चुके हैं। आप जम्प करने के लिए तैयार हो जाइये।
???

रेडी!
यस!

अगले ही पल यान का दरवाजा खुला और...

...एक-एक कर सभी ने यान से बाहर छलांग लगा दी।
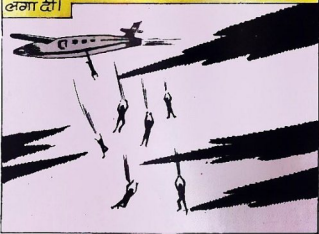
शीघ्र ही उनकी छतरी हवा में खुली और वे हवा में तैरते हुए धीरे-धीरे जमीन पर उतरने लगे।
यान वापस लौट गया।

लगभग पन्द्रह मिनट बाद वे सभी सकुशल धरती पर पहुंच गये।

उन्होंने फटाफट छतरी को अपने से अलग किया और एक स्थान पर एकत्रित हो गये।
उतरे तो हम सही स्थान पर हैं, लेकिन एजेण्ट जीरो कहीं नजर नहीं आ रहा।

तभी—

मि० राम! वह देखो, कोई टॉर्च द्वारा हमें सिगनल दे रहा है।

शायद वह एजेंण्ट ज़ीरो ही है। रहीम, तुम टॉर्च निकालकर सिगनल दो।

ओ.के. भइया!

रहीम ने अपने झोले से टॉर्च निकाली और सिगनल देने लगा।

शीघ्र ही—

वह साया हमारी ओर ही आ रहा है।

तुम सब सावधान रहना।

उस साये के निकट पहुंचते ही—

हाल्ट! अपनी जगह पर रुक जाओ और अपना परिचय दो।

मैं एजेण्ट ज़ीरो, और आप?

सब बोट के भीतर पहुंच गये। वह एक छोटा, लेकिन आधुनिकतम जलयान था।

अति सुन्दर!

वाह!

आप लोग हेलमेट उतार दीजिए और आराम कीजिए। मैं बोट स्टार्ट करता हूं।
ठीक है।
नम्बर जीरो ने उस जलयान को स्टार्ट कर टापू की ओर दौड़ा दिया।
नम्बर जीरो! इस तरह तो दुश्मनों की नजर हम पर पड़ सकती है।
आप चिंता न करें। गहरे पानी में पहुंचते ही मैं इसे पनडुब्बी में बदल दूंगा।
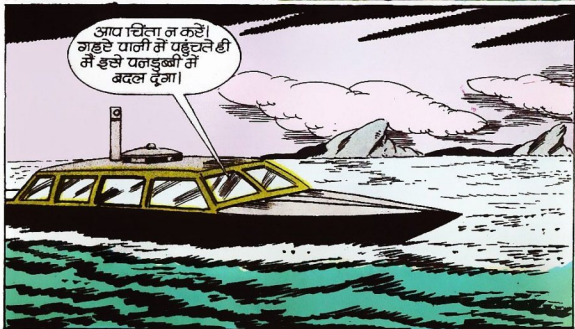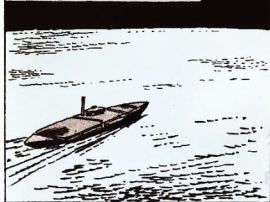
और जैसे ही बोट गहरे पानी में पहुंचा, एजेण्ट जीरो ने न जाने कौन-सा बटन दबाया कि बोट के चारों तरफ से स्टील की प्लेटें तेजी से इधर-उधर सरकने लगीं...
...और देखते-ही-देखते वह जलयान एक छोटी-सी पनडुब्बी में बदल गया।
वाह!
बहुत खूब!
अब मैं इसे पानी के भीतर ले जा रहा हूं।
निःसंदेह, यह सबसे आधुनिक जलयान है। ऐसे यान के बारे में कम-से-कम मैं तो सोच भी नहीं सकता था।
कुछ देर बाद वह पनडुब्बी पानी के भीतर थी।
हम कितनी देर में उस टापू के किनारे पहुंच जायेंगे।
लगभग एक घण्टा तो लग ही जायेगा।
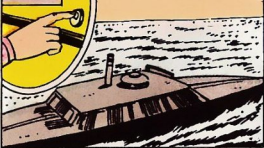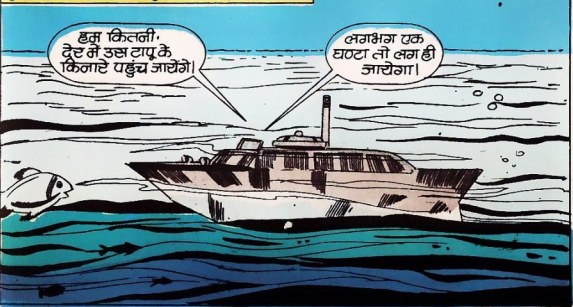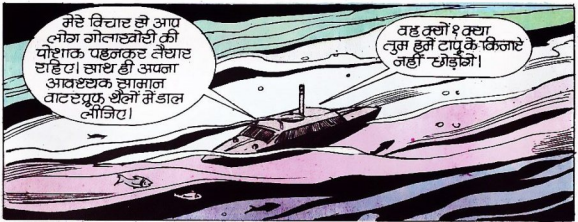
मेरे विचार से आप लोग गोताखोरी की पोशाक पहनकर तैयार रहिए। साथ ही अपना आवश्यक सामान वाटरप्रूफ थैलों में डाल लीजिए।
वह क्यों? क्या तुम हमें टापू के किनारे नहीं छोड़ोगे।
नहीं। ऐसा करने में हम सब दुश्मनों की दृष्टि में आ सकते हैं। फिर आप लोगों का टापू में प्रवेश कर पाना लगभग असम्भव हो जायेगा।
एजेण्ट जीरो ठीक ही कह रहे हैं साथियो! टापू के निकट पनडुब्बी को ऊपर लाना उचित नहीं होगा। आओ, हम सब अपनी तैयारियां पूरी कर लें।

और ठीक एक घण्टे बाद-
हम टापू के निकट पहुंच चुके हैं। आप लोग गोता लगाने के लिये तैयार हो जाइये।
हम सब तैयार हैं। तुम गुप्त दरवाजा खोलो।
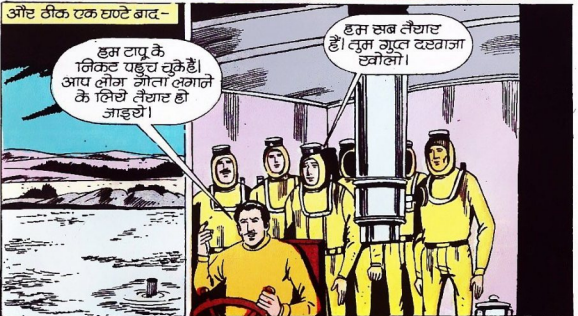
एजेण्ट जीरो ने एक बटन दबाया...
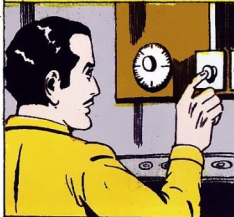
...तुरन्त एक हिस्से में एक द्वार उत्पन्न हो गया और वे एक-एक कर उस द्वार से होकर पानी में पहुंच गये।

फिर सुपर सेवन तैरते हुए टापू की ओर बढ़ते रहे...

...और जब उन्हें महसूस हुआ कि वे टापू के किनारे के निकट पहुंच चुके हैं—
ऊपर चलो।

शीघ्र ही वे टापू के ऊपर थे।
लेटे-लेटे ही गोताखोरी की पोशाक उतारकर पानी में फेंक दो...
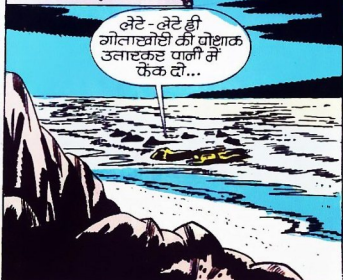
...और अपने हथियार भी वाटरप्रूफ थैलों से निकालकर कपड़ों में यथास्थान रख लो।
ठीक है!
कुछ ही देर में सुपर सेवन ने लेटे-ही-लेटे गोताखोरी का लिबास उतारकर पानी में फेंक दिया और किसी भी स्थिति का मुकाबला करने के लिये पूरी तरह से तैयार हो गये।
राम भइया! वो देखो, कोई सैनिक गश्त कर रहा है।
हुम्म! इसका मतलब यह हुआ कि टापू के सभी किनारों पर पूरी चौकसी रखी जा रही है।
सबसे पहले हमें इसी गश्ती सैनिक को अपने मार्ग से हटाना पड़ेगा। वरना हम आगे नहीं बढ़ पायेंगे।
इसका काम मैं एक ही गोली में तमाम किये देता हूं।

आप क्या बात कर रहे हैं मि. जैकब? गोली की आवाज़ सबका ध्यान आकर्षित कर लेगी।
चिंता मत करो राम। मेरे रिवॉल्वर में साइलेंसर फिट है।

ओह! फिर ठीक है। लो उसका निशाना।
इतना आसान निशाना तो मैं आंखें मूंदकर भी लगा सकता हूं।
कहकर...

...जैकब ने अपनी गन जमीन पर रखी और होलेस्टर से रिवॉल्वर निकाल लिया। अगले ही पल –
पिट!
आह!

वह गया काम से! अब रेंगते हुए ही आगे बढ़ो!

सब रेंगते हुए आगे बढ़ने लगे।
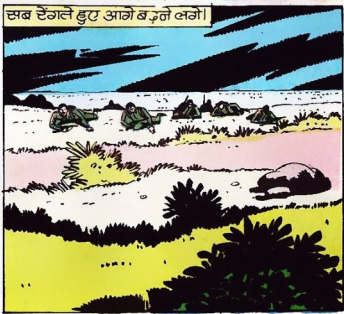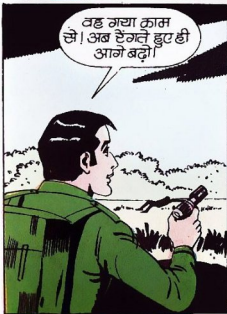
लेकिन अभी वे कुछ ही आगे बढ़े होंगे कि –
घर्र...घर्र...घर्र!
अरे, मोटर साइकिलों का दस्ता!
वह दस्ता इधर ही आ रहा है।
खबरदार! उन्हें खत्म करने के लिये कोई भी गन का इस्तेमाल न करे! वरना पूरा टापू सचेत हो जायेगा।
लेकिन वे लोग बिल्कुल हमारी सीध में आ रहे हैं और मोटर साइकिल की रोशनी में जल्दी ही हमें देख लेंगे।
राम भइया! उन्हें धोखे में डालने का अब एक ही तरीका है कि हम मुर्दों की तरह जमीन से चिपक जायें और उनके आगे की प्रतीक्षा करें।
रहीम ठीक कह रहा है। ऐसा ही करो और जैसे ही वे निकट पहुंचें उन्हें संभलने का मौका दिये बिना आक्रमण कर दो...
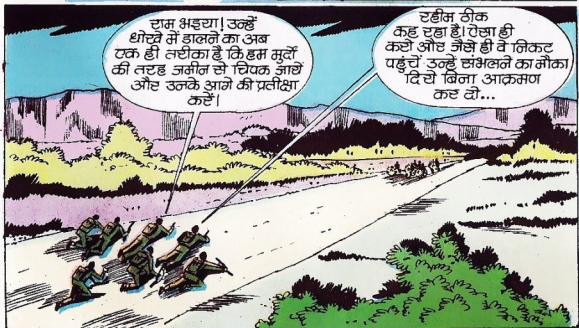
...लेकिन आक्रमण करते समय हमें इस बात का भी पूरा ध्यान रखना है कि वे हलक से कराह की आवाज भी नहीं निकालने पायें।
सब जमीन से चिपक गये।
अरे, वह क्या है?
इंसान ही मालूम पड़ते हैं। आओ, चलकर देखते हैं।
लेकिन इतने सारे। मुझे तो दाल में कुछ काला मालूम पड़ता है।
सावधान होकर आगे बढ़ो।
अपनी-अपनी गनें भी संभाल लो।

लेकिन वे जैसे ही राम-रहीम आदि के निकट पहुंचे –
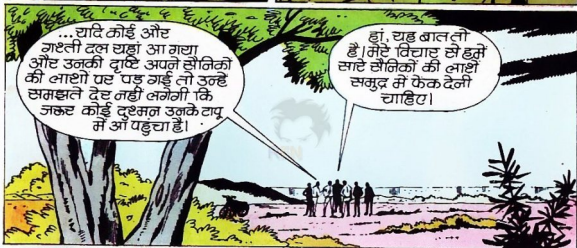
कड़ाक्!
आह!
धड़ाक्!
उफ!

हाय!
मरा!

ई...ई...ई...!

फिर इससे पहले कि मोटरसाइकिल सवार संभल पाते।

खच्चाक!
आह!

कड़ाक्!
हिच!

धड़ाक!
उफ!
गड़प...गड़प!
पांचवें सैनिक को राम-रहीम ने ढेर कर दिया।
गड़ब...गड़प आई...ई!
वाह! पलक झपकते ही सबका सफाया हो गया, और मुझे अपना जौहर दिखाने का मौका ही नहीं मिला।
अब?
सब इनके मुंहबन्द टोप पहन लो। इससे हम सबके चेहरे छिप जायेंगे...

...साथ ही इनकी मोटर साइकिलें भी इनके किले तक पहुंचने में हमारे काम आयेंगी।
गुड! यह आइडिया अच्छा है।
लेकिन इनकी लाशों का क्या करें राम भइया! इनका यहां पड़े रहना तो खतरनाक होगा...
...यदि कोई और गश्ती दल यहां आ गया और उनकी दृष्टि अपने सैनिकों की लाशों पर पड़ गई तो उन्हें समझते देर नहीं लगेगी कि जरूर कोई दुश्मन उनके टापू में आ पहुंचा है।
हां, यह बात तो है। मेरे विचार से हमें सारे सैनिकों की लाशें समुद्र में फेंक देनी चाहिए।
हां, ऐसा ही करो। इस काम में समय जरूर लगेगा, लेकिन यह जरूरी है...
...लेकिन ठहरो, पहले इनकी तलाशी ले लो। और यदि इनका कोई परिचय कार्ड आदि इनकी जेबों में हो तो वह अपने कब्जे में कर लो। वक्त जरूरत पर हमारे काम आयेगा।
वाह! यह बात खूब सुझाई।

तलाशी लेने के पश्चात उन्होंने उनके टोप उतारकर अपने सिर पर चढ़ा लिये। उसके बाद उन्होंने पहले वाले गश्ती सैनिक समेत उन पांचों मोटरसाइकिल सैनिकों को समुद्र के हवाले कर दिया।
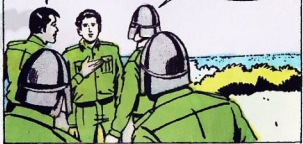
मजबूरी है, और कोई चारा भी तो नहीं है। रहिम और मैं रॉकी व जैकब के पीछे बैठ जायेंगे।

ठीक है। अब जो होगा देखा जायेगा।

मि. राम! हम जा तो इस तरफ रहे हैं, लेकिन यह जरूरी तो नहीं कि उनका स्टेशन इसी ओर हो।
हां, पक्का तो नहीं कहा जा सकता। लेकिन वे सैनिक इसी ओर से आये थे, इसलिये मैंने इसी दिशा में चलने के लिए कहा है।
अतः वे लोग उसी दिशा में बढ़ते रहे, लेकिन शीघ्र ही –
ओह! मि. राम, एक जीप हमारी ओर ही आ रही है!
देख रहा हूं। सब सावधान हो जाओ।
और रहीम, तुम अपने पार्टनर के पीछे दुबक जाओ।
ओ.के. भइया!
शायद पूर्वी तट क्षेत्र के रक्षक कमाण्डो फाइव का दस्ता मालूम पड़ता है। उन्हें रोककर हालात मालूम करो।
यस सर!
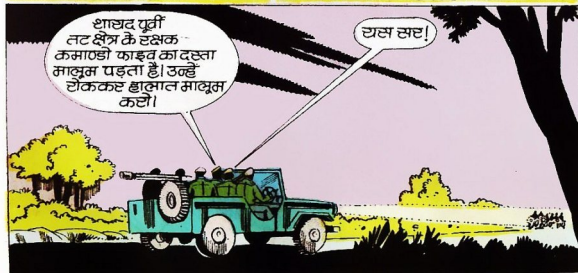
और जैसे ही सुपर सेवन और जीप सवार आमने-सामने पहुंचे-
हॉल्ट!
रुक जाओ!

तब तक राम-रहीम पूरी तरह अपने पार्टनरों के पीछे दुबक चुके थे और सामने से उन्हें आसानी से नहीं देखा जा सकता था।

क्या बात है सर!
कौन से क्षेत्र का गश्त करके आ रहे हो?

पूर्वी क्षेत्र से सर! वहां सब ठीक है सर!
हुम्म!

परिचय-पत्र दिखाओ!
यस सर!

यह लीजिए सर!
परिचय-पत्र देखकर अधिकारी ने उसे वापस लौटा दिया।
ऐ, तुम लोग भी अपने-अपने कार्ड दिखाओ।
नहीं। उसकी कोई जरूरत नहीं। तुम लोग जा सकते हो।
चलो!
कुछ ही देर में जीप उन्हें वहीं छोड़ आगे बढ़ गई।

क्या उसे भी ठिकाने लगा दिया जाये मि. राम?
नहीं! वह अकेला है। उस पर काबू पाने का प्रयत्न करो। हो सकता है, उससे हमें कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारी हासिल हो जाये।
गुड आइडिया!

सच रहीम! कभी-कभी तुम काफी दूर की सोच लेते हो। तुम्हारा विचार बुरा नहीं।
थैंक्यू भइया!

हाय! फ्रेण्ड्स!
हाय!

दोस्त! जरा रुकना तो।
ओ.के.!

कमल तुम जाकर निपटो!
ठीक है!

कमल मोटरसाइकिल से उतरकर उस सैनिक के पास पहुंचा
क्या बात है फ्रेण्ड!
बात तो कुछ नहीं...

...सिर्फ यह है!
धड़ाक!
आह!

कमल का शक्तिशाली घूंसा खाकर सैनिक मोटरसाइकिल से उछलकर दूर जा गिरा।
उफ!

फिर इससे पहले कि वह सैनिक संभल पाता, कमल ने अपनी मजबूत बांह उसके गले में डाल दी।
गड़प... गड़प! क...कौन... कौन हो तुम लोग और क्या चाहते हो?
अभी बताते हैं बच्चे!
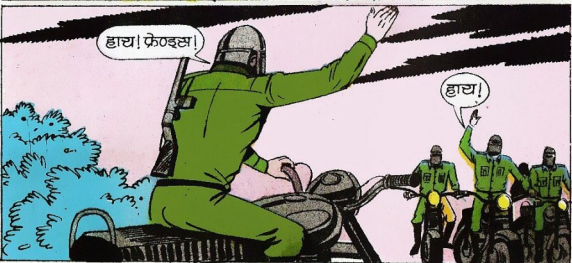
तब तक राम-रहीम आदि उनके निकट पहुंच गये।

शाबाश कमल! इससे पूछो कि इनका किला कहां है?

ओह! दुश्मन!

बताओ, तुम्हारा किला कहां स्थापित है?

म... मुझे नहीं मालूम।

यदि नहीं बताओगे तो मैं तुम्हारी गर्दन मुर्गी की तरह मरोड़कर रख दूंगा।

कहने के साथ ही...

...कमल ने जैसे ही अपनी बांह को जरा-सा-कसा-

आई...ई...ई! नहीं-नहीं, मुझे मत मारो! मैं सबकुछ बताने को तैयार हूं।

तो बताओ, तुम्हारा किला कहां है, जहां तुमने तबाही मचाने वाला स्टेशन कायम किया है?

यहां से पांच किलोमीटर दूर उत्तर-पूर्व में।

फिर राम उससे बहुत से महत्त्वपूर्ण प्रश्न करता रहा। जिनका जवाब वह सैनिक बिना किसी विरोध के देता रहा।

यहां चारों तरफ सैनिक चौकियां कायम हैं और उनके अलग-अलग नाम व कोड हैं।

सैनिक निष्प्राण होकर कमल की बांहों में झूल गया।

इसकी लाश का क्या किया जाये?

उन झाड़ियों में डाल दो।

- क्या राम-रहीम आदि किले तक पहुंच सके?
- क्या राम-रहीम आदि अपने मिशन में सफल होकर वापस लौट सके?
- आखिर "काले टापू" में ऐसा कौन-सा संयत्र बना था, जिससे भारत को खतरा उत्पन्न हो गया था?
- सुपर फाइव ने राम-रहीम के साथ मिलकर क्या गुल खिलाए?
- कौन मरा और कौन जिंदा बचा? यह सब जानने के लिए मनोज कॉमिक्स के आगामी सैट में पढ़ें–